SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

किशोरियों के परिधान हेतु वस्त्र और पैटर्न का अध्ययन–रायपुर शहर के संदर्भ में

शिप्रा बैनर्जी, पीएच–डी., गृहविज्ञान विभाग
शासकीय दू. ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
शिप्रा बैनर्जी, पीएच–डी.
E-mail : shiprabanerjee66@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 31/04/2025
Revised on : 31/05/2025
Accepted on : 10/06/2025
Overall Similarity : 01% on 02/06/2025

शोध सार

वस्त्र और परिधान का इतिहास लगभग उतना ही पुराना है जितना कि मानव सभ्यता का। समय के साथ–साथ वस्त्रों का इतिहास और समृद्ध होता गया है। वस्त्र देखने वाले का ध्यान आकर्षित करते हैं और एक दृश्य प्रभाव पैदा करते हैं जिसे प्रथम प्रभाव के रूप में जाना जाता है। वर्तमान समय में वस्त्र और शारीरिक बनावट किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को बताते हैं जैसे वह कैसा है, वह किसका प्रतिनिधित्व करना चाहता है और वह कहाँ से संबंधित है। परिधान पहनने के शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक तीन मुख्य कारण बताए जाते हैं। वस्त्र मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा है। वस्त्र शारीरिक और सामाजिक दोनों तरह से महत्वपूर्ण है। वस्त्र हमें मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाते हैं, शरीर को ढ़कते हैं और सामाजिक मानकों के अनुसार जीवन जीने में मदद करते हैं और हमें सामाजिक रूप से स्वीकार्य बनाते हैं। किशोरियों के परिधान के लिए वस्त्र और पैटर्न का अध्ययन एक महत्वपूर्ण विषय है। परिधान के लिए वस्त्र और पैटर्न का चयन करते समय उनकी पसंद, फिटिंग, फैशन, रंग, डिजाइन, सामग्री, आराम, वस्त्र की गुणवत्ता और परिधान के प्रकार को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण होता है। रंग और डिजाइन ऐसे पसंद करने चाहिए जो उनकी व्यक्तिगत शैली और फैशन के रुझानों के साथ मेल खाते हैं। कपड़े की फिटिंग महत्वपूर्ण होती है इसलिए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कपड़े शरीर पर ठीक से फिट हो। किशोरियों के लिए सरल और आरामदायक पैटर्न उपयुक्त होते हैं। विशेष अवसरों के लिए जटिल या फिर प्रिंट वाले पैटर्न का उपयोग किया जा सकता है। वस्त्र और पैटर्न का संयोजन किसी भी परिधान की समग्र रूपरेखा को निर्धारित करता है अतः इनका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

मुख्य शब्द

परिधान, फैशन, शैली, गुणवत्ता, किशोरी.

परिचय

''वस्त्र आत्म अभिव्यक्ति का एक रूप है–आप जो पहनते हैं, उसमें आपके व्यक्तित्व के बारे में संकेत होते हैं।'' मार्क जैकोब्स (अमेरिकी फैशन डिजाइनर)

बुनाई वस्त्र निर्माण का प्रमुख तरीका हैं। बुनाई दो सेट यार्न को एक दूसरे के समकोण पर जोड़कर की जाती है। बुनाई यार्न को लूप की एक श्रृंखला के माध्यम से इंटरलॉक करने की प्रक्रिया है। रंग डिजाइन का महत्वपूर्ण तत्व है और जो परिधान में भी बहुत महत्वपूर्ण घटक है। फैशन हमारे जीवन का एक हिस्सा है, खासकर किशोर लड़कियों के जीवन का। हमारी खरीददारी की आदतें, हमारी जीवनशैली का प्रकार और हमारे द्वारा चुने गए कपड़े हमारे जीवन जीने के तरीके को प्रभावित करते है। आजकल फैशन हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया है। फैशन एक शैली है जिसे किसी भी समय लोगों के एक बड़े समूह द्वारा स्वीकार किया जाता है। फैशन हमेशा नया होता है, भले ही पुराना फैशन पुनर्जीवित हो, क्योंकि शैलियों को नए तरीके से फिर से पेश किया जाता है।

पैटर्न

विकिपीडिया के अनुसार पैटर्न वॉलपेपर या टेक्सटाइल कपड़ों के लिए एक सजावटी डिजाइन है। पैटर्न एक विशिष्ट शैली, मॉडल या रूप है। कपड़ों के पैटर्नका उपयोग स्टाइलिश, आरामदायक और आकर्षक कपड़ों को सिलने के लिए किया जाता है जो अच्छी तरह से फिट होते हैं। एक सजावटी डिजाइन, एक शैली, कपड़ों का कलात्मक काम, सुशोभित करने के लिए उपयोग की जाने वाली सजावट, डिजाइन, रूपांकन, आभूषण, व्यवस्था, आकृति ये सभी मिलकर पैटर्न बनाते है।

मेरियन वेबस्टर के लर्नर्स डिक्शनरी के अनुसार, "एक दोहराया हुआ रूप या डिजाइन जो विशेष रूप से किसी चीज को सजाने के लिए उपयोग किया जाता है"।

एक किशोर लड़की की अलमारी, आम तौर पर भारतीय और पश्चिमी दोनों तरह के पहनावे से भरी होती है।

भारतीयः सलवार कमीज, साड़ी, घाघरा चोली/लहंगा चोली आदि।

पश्चिमीः फ्रॉक, टॉप और स्कर्ट, ट्राउजर, सूट, टी–शर्ट, गाउन और जींस आदि और स्कूल यूनिफॉर्म।

प्रत्येक डिजाइन के लिए विकसित मूल पैटर्न को पहला पैटर्न कहा जाता है। इसके लिए आमतौर पर कुछ समायोजन की आवश्यकता होती है। उत्पादन पैटर्न एक पैटर्न सेट है जिसे परीक्षण के लिए फिट किया गया है, सही किया गया है और इसमें कपड़ों के लिए आवश्यक सभी पैटर्न के टुकड़े शामिल हैं। पैटर्न को एक कॉपी, एक डिजाइन या अपेक्षित कार्रवाई बनाने के लिए मॉडल के रूप में उपयोग की जाने वाली चीज के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

पैटर्न का चयन

पैटर्न का डिजाइन महत्वपूर्ण होता है इसलिए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डिजाइन साधारण हो,शरीर पर अच्छा लगे और कपड़े के साथ अच्छी तरह से मेल खाता हो। विशेष अवसरों के लिए विशेष तरह के पैटर्न उपयोग में लाए जाते हैं जैसे कि प्रिंटेड या एंब्रॉयडरी पैटर्न। इन सब के अतिरिक्त कपड़े की उचित देखभाल भी आवश्यक होती है और उसके लिए विशेष निर्देश दिए होते हैं। कपड़े का चयन मौसम के अनुसार करना चाहिए जैसे गर्मियों में हल्के कपड़े और सर्दियों में गर्म कपड़ों का उपयोग किया जाता है। कपड़े का चयन करते समय हमें अवसर का भी ध्यान रखना चाहिए कि किस अवसर के लिए हम उस वस्त्र का चयन कर रहे हैं। वस्त्र और पैटर्न का चुनाव या अध्ययन करते समय किशोरियों के व्यक्तिगत शैली, फैशन के रुझान, मौसम, अवसर और देखभाल के निर्देशों को विशेष कर ध्यान में रखा जाना चाहिए।

किशोरावस्था

बिग और हंट के अनुसार "एक शब्द जो किशोरों को सबसे अच्छी तरह से दर्शाता है वह है परिवर्तन। यह परिवर्तन शारीरिक, समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक है।

किशोरावस्था (लैटिन में किशोरावस्था का अर्थ है बड़ा होना) शारीरिक और मनोवैज्ञानिक मानव विकास का एक संक्रमणकालीन चरण है जो आम तौर पर यौवन से लेकर कानूनी वयस्कता तक की अवधि के दौरान होता है। एक ऐसी अवधि है जिसके दौरान वृद्धि तेजी से होती है और शरीर के विभिन्न अंग अलग–अलग अनुपातों में विकसित होते हैं। किशोरावस्था में लड़के और लड़कियां वजन और ऊंचाई दोनों में बढ़ते हैं। उनकी मांसपेशियाँ बढ़ती हैं और मजबूत होती हैं। लड़कियाँ 12–14 साल की उम्र में और लड़के 14–18 साल की उम्र में तेजी से बढ़ते हैं। 15 साल की उम्र में लड़कियाँ पूरी तरह से नारीत्व विकसित करती हैं और लड़के 18 साल की उम्र में पुरुषत्व विकसित करते हैं।

प्राथमिक किशोरावस्था में किसी परिधान खरीदने का सुझाव दिया जाता है क्योंकि बच्चा बहुत तेजी से बढ़ता है और कपड़े छोटे हो जाते हैं। किशोरों के लिए कपड़ों में जो चीज अत्यंत महत्वपूर्ण है वह हैं फिटिंग और फैशन। वे कपड़े की गुणवत्ता नहीं देखते हैं और नही इसकी बनावट पर ध्यान देते हैं। किशोर न केवल नए फैशनेबल कपड़े पहनते हैं बल्कि वे नए फैशन का सूजन भी करते हैं। वे फैशन और सनक (धुन) का अंधाधुंध अनुसरण करते हैं। किशोर अपने पहनावे में बड़ी राशि खर्च करना चाहते हैं। वे हम उम्र साथियों की तरह कपड़े पहनना या पहनावे में अपने आदर्श व्यक्ति की नकल करना चाहते है।

वस्त्र का महत्व

कपड़े यार्न के संयोजन से विभिन्न प्रक्रियाओं का उपयोग करके निर्मित किए जा सकते हैं। कपड़े के निर्माण के लिए बुनाई प्रमुख विधि है। बुने हुए कपड़े यार्न के दो सेटों को जोड़कर बनाए जाते हैं। कपड़े बनाने की विभिन्न विधियाँ हैं– वीविंग, नीटिंग, फेल्टिंग, ब्रैडिंग, लेसिंग, नॉन वोवन,लेमिनेटेड कपड़े आदि।

शारीरिक महत्व

कपड़े हमें ठंड, गर्मी, बारिश और सूर्य की हानिकारक किरणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। स्वच्छ कपड़े हमें सहज और आरामदायक महसूस कराते हैं।

सांस्कृतिक महत्व

कपड़े किसी संस्कृति, धर्म या परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। अच्छे वस्त्र पहनने से आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्तित्व को निखार मिलता है।

सामाजिक महत्व

वस्त्र हमें सामाजिक संबंध स्थापित करने और अपनी पहचान बनाने में मदद करते हैं और ऐसे में बहुत अधिक आत्मविश्वास और सुरक्षा का अनुभव होता है। लगभग सभी किशोरों में सामाजिक स्वीकृति की इच्छा बहुत प्रबल होती है। जब किसी व्यक्ति को उसके समूह द्वारा स्वीकार किया जाता है और घर में, स्कूल में, समाज में उसे सामाजिक दर्जा दिया जाता है, तो उसे आत्म–सम्मान का अनुभव होता है।

वस्त्र की आवश्यकता व वस्त्र क्रय करना

इस अवधि में ऊँचाई और वजन बहुत तेजी से बदलता है। ऐसे में किशोरों की कपड़ों की जरूरतों को पूरा करना थोड़ा मुश्किल होता है। किशोरों को साफ–सुथरे और महंगे कपड़े पहनना पसंद होता है जो उन्हें सामाजिक स्वीकार्यता और सुरक्षा प्रदान करते हैं। किशोरों को हमेशा लगता है कि उनके पास पहनने के लिए पर्याप्त कपड़े नहीं हैं। वे टिकाऊपन या गुणवत्ता से ज्यादा फैशन के बारे में सोचते हैं। लड़कियां खरीदारी के समय स्टाइल, रंग और कीमत पर ज्यादा ध्यान देती हैं। वार्डरोब को उनकी गतिविधियों और अवसर के अनुसार प्लान करना चाहिए।

सामान्य श्रेणियाँ हैं– कैजुअल वियर, स्कूल वियर, स्पोर्ट्सवियर, नाइट वियर और पार्टी वियर।

व्यक्तित्व

व्यक्तित्व शब्द लैटिन शब्द ''पर्सना'' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'मास्क'। जब ग्रीक अभिनेता मंच पर काम करते थे तो वे अलग–अलग चेहरे पहनते थे। यह बड़ी संख्या में मानवीय गुणों का संयोजन है। यह उन सभी गुणों का योग है जो आपके चेहरे, मुद्रा, आकार, आपके चलने के तरीके, आपके बात करने के तरीके के माध्यम से व्यक्त होते हैं। किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को आम तौर पर उसके शारीरिक पहनावे, व्यवहार कौशल और समाज में उसकी स्थिति के रूप में देखा जाता है।

मॉर्टन प्रिंस ने इसका वर्णन इस प्रकार किया है– "व्यक्तित्व व्यक्ति के जैविक जन्मजात स्वभाव, आवेग, प्रवृत्ति, योग्यता, सहज ज्ञान तथा अनुभव द्वारा अर्जित स्वभाव और प्रवृत्ति का योग है"।

जी डब्ल्यू ऑलपोर्ट के अनुसार, "व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनोवैज्ञानिक–शारीरिक प्रणालियों का गतिशील संगठन है जो उसके पर्यावरण के साथ उसके अद्वितीय समायोजन को निर्धारित करते हैं"।

व्यक्तित्व के प्रकार

मनोवैज्ञानिक–क्रेश्चमर (Psychologist - Kretschmer) ने इसे इस प्रकार वर्गीकृत किया है:

1. **एस्थेनिक (Asthenic)**: लंबा,कमजोर और अक्सर अकेले रहना पसंद करते हैं। दूसरों की आलोचना करना पसंद करते हैं लेकिन अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं करते।
2. **एथलेटिक (Athletic)**: स्वस्थ, मजबूत और अच्छी तरह से समायोजित करने की क्षमता रखते हैं।
3. **पाइनिक (Pynic)**: कद में छोटे, लेकिन स्वस्थ, सहज और मनोरंजक।

मनोवैज्ञानिक– जंग ने इसे इस प्रकार वर्गीकृत किया है:

1. **अंतर्मुखी (Introvert)**: स्व–विचारक, आत्म–नियंत्रित, संवेदनशील, कर्तव्य–बद्ध और कम बोलने वाले व्यक्ति।
2. **बहिर्मुखी (Extrovert)**: समाज–केंद्रित, व्यावहारिक साहसी, चिंता–मुक्त और आशावादी।
3. **परिवेशी (Ambient)**: वे व्यक्ति जिनमें अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के गुण लगभग समान मात्रा में मिलते हैं, परिवेशी कहलाते हैं।

अधिकांश मनोवैज्ञानिक व्यक्तित्व को समायोजन की क्षमता के रूप में स्वीकार करते हैं और इसे दो समूहों में विभाजित करते हैं:

1. अच्छी तरह से समायोजित।
2. खराब समायोजित।

मुझे लगता है कि किशोरावस्था लड़कियों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण अवधि है और उनकी वेशभूषा उनके जीवन में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ व्यवहार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वे उचित कपड़ों के पैटर्न का उपयोग करके अपने व्यक्तित्व को निखारना पसंद करती हैं।

अध्ययन का उद्देश्य और लक्ष्य

रायपुर छत्तीसगढ़ की राजधानी है। शोध के लिए रायपुर शहर की किशोरियों का चयन किया गया है। किसी स्थान की जलवायु, परिस्थितियाँ सीधे उस स्थान के कपड़ों से संबंधित होती हैं इसलिए कपड़ों के पैटर्न की उपलब्धता रायपुर की परिस्थितियों से संबंधित है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से चार मौसम पाए जाते हैं, जुलाई से अक्टूबर तक वर्षा ऋतु, नवंबर से जनवरी तक सर्दी, फरवरी में शरद ऋतु और मार्च और अप्रैल से जून तक गर्मी। उचित कपड़ों के पैटर्न से बाहरी व्यक्तित्व को निखारा जा सकता है। कपड़ों की उपलब्धता से संबंधित जानकारी प्रचुर मात्रा में

है लेकिन चयन महत्वपूर्ण है। स्त्री रोग विशेषज्ञ और त्वचा रोग विशेषज्ञ के अनुसार, कपड़ों का गलत चुनाव त्वचा में जलन या फंगल संक्रमण का कारण हो सकता है। अध्ययन को अधिक व्यापक बनाने के लिए उद्देश्यों को निम्नलिखित उप–उद्देश्यों में विभाजित किया गया है

1. किशोरियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का पता लगाना।
2. किशोरियों से कपड़े के पैटर्न के बारे में, उनकी पहली पसंद के बारे में पता लगाना।
3. किशोरियों से यह जानना कि सही कपड़े सीधे व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं।
4. किशोरियों से कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी का पता लगाना।
5. किशोरियों से त्वचा के प्रकार और कपड़े की उपयुक्तता के बारे में जानना।
6. किशोरियो को किस तरह के परिधान ज्यादा पसंद हैं यह ज्ञात करना।
7. यह जानना कि उत्तरदाताओं को परिधान के वस्त्र और पैटर्न के बारे में कितना ज्ञान है।

परिकल्पना

वस्त्र मानव जाति की मूलभूत आवश्यकता है। यह शरीर पर पहने जाने वाले वस्त्रों के लिए एक सामूहिक शब्द है लेकिन विशेष रूप से किशोर लड़कियों में, यह उनके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

$\mathbf{H_1}$ किशोर लड़कियाँ किसी भी सामाजिक आर्थिक स्थिति में फैशन की बहुत शौकीन होती हैं।
$\mathbf{H_2}$ किशोर लड़कियों को अपने कपड़ों के पैटर्न में बहुत रुचि होती है।
$\mathbf{H_3}$ किशोर लड़कियों का यह दृष्टिकोण है कि सही कपड़े सीधे व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं।
$\mathbf{H_4}$ किशोर लड़कियों को कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी होती है।
$\mathbf{H_5}$ किशोर लड़कियों को त्वचा के प्रकार और कपड़े की उपयुक्तता के बारे में जानकारी होती है।
$\mathbf{H_6}$ रेडीमेड कपड़े किशोर लड़कियों की पहली पसंद हैं।
$\mathbf{H_7}$ किशोर लड़कियों को परिधान के वस्त्र और पैटर्न के बारे में ज्ञान है।

अध्ययन की सीमाएँ

अध्ययन केवल छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर की किशोरियों पर किया गया है।

तथ्यों का संग्रहण

तथ्य अनुभवजन्य अध्ययन का मुख्य निर्माण खंड है। तथ्य वैचारिक निर्माणों पर तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करता है। उनका उपयोग अध्ययन के उद्देश्यों के संदर्भ में कुछ सार्थक परिणाम प्राप्त करने के लिए किया जाता है। वे पहचान, वर्गीकरण और तुलना के लिए एक वस्तुनिष्ठ और ठोस आधार प्रदान करते हैं। वैधता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता, विशिष्टता और प्रयोज्यता किसी भी शोध तथ्य की आवश्यक विशेषताएँ हैं। वैज्ञानिक तथ्य व्यापक अनुप्रयोग और सामान्यीकरण प्रदान करते हैं। ऐसे तथ्य सभी उपयोगी अनुभवजन्य शोधों में बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस अध्याय में संक्षेप में वर्णित प्रक्रियात्मक चरण प्राप्त तथ्य की प्रकृति, प्रकार और संख्या, विश्वसनीयता और वैधता के संकेतकों पर प्रकाश डालते हैं और इसे मूल्यांकन और तुलना के लिए तुलनीय स्थितियों पर लागू करते हैं।

कार्यप्रणाली

सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण–जनसांख्यिकीय प्रोफाइल का उपयोग परिवार, आय, शिक्षा, व्यवसाय, परिवार के प्रकार और आकार के बारे में बुनियादी जानकारी के लिए किया गया। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए–एचएसपीक्यू परीक्षण का उपयोग किया गया। उत्तरदाताओं के वर्णनात्मक डिजाइन से जानकारी एकत्र करने के लिए शोध पद्धति का उपयोग किया गया।

उपकरण: अवलोकन, साक्षात्कार अनुसूची, व्यक्तिगत साक्षात्कार और सर्वेक्षण का प्रयोग किया गया।

प्राथमिक समंकः अच्छी तरह से संरचित ओपन एंडेड प्रश्नावली,व्यक्तिगत साक्षात्कार,अवलोकन,सर्वेक्षण

द्वितीयक समंकः पुस्तकालय, इंटरनेट, पुस्तकें, पत्रिकाएँ, जर्नल्स, थीसिस, प्रकाशित शोध पत्र।

चर

1. **स्वतंत्र चरः** वर्तमान शोध कार्य के लिए किशोर लड़की, किशोर लड़कियों के कपड़े और कपड़ों के पैटर्न स्वतंत्र चर हैं।
2. **आश्रित चरः** व्यक्तित्व और आय समूह इस अध्ययन के लिए आश्रित चर हैं।

माध्य, प्रतिशत, विचरण का विश्लेषण (ANOVA), सह–संबंध द्वारा सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया।

शोध विधि

इस शोध में प्रयुक्त शोध विधि वर्णनात्मक डिजाइन और सर्वेक्षण विधि है। सर्वेक्षण विधि में शोधकर्ता शोध के प्रश्नों के बारे में जानकारी एकत्र कर सकता है जैसे कि "किसी विषय या विषयों पर व्यक्तियों से प्रश्न पूछना और फिर उनके उत्तरों का वर्णन करना"। सर्वेक्षण आमतौर पर परिकल्पना निर्माण से संबंधित होते हैं।

अध्ययन का स्थान

वर्तमान अध्ययन छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर में आयोजित किया गया। डेटा संग्रह के लिए स्कूल और कॉलेज जाने वाली किशोरियों को यादृच्छिक रूप से चुना गया था।

कुल उत्तरदाताः 150 प्रत्येक स्तर से (स्कूल व कॉलेज) 75–75।

विश्लेषण एवं चर्चा

विश्लेषण और चर्चा किसी भी शोध कार्य का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यह किसी शोध का वास्तविक परिणाम है, इसके बिना कोई भी शोध अधूरा है। यह किसी शोध का सबसे अभिन्न अंग है। यह वह है जो शोधकर्ता द्वारा दिए गए निष्कर्षों और सुझावों को दर्शाता है।

1. विश्लेषण में यह देखा गया कि किशोर लड़कियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति निम्नानुसार हैः

सामाजिक आर्थिक स्थिति

Grade	Level of Socio-Economic Status	N	%
A	Extremely High	15	10
B	Highly	25	16
C	Above Average	45	30
D	Average	28	19
E	Below Average	18	12
F	Low	12	08
G	Extremely low	07	05

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

2. उत्तरदाताओं से कपड़े के प्रकार के बारे में उनकी पहली पसंद के बारे में पूछा गया, यह पाया गया कि 96. 9 प्रतिशत उत्तरदाता अन्य प्रकार के कपड़ों की तुलना में कपास को पसंद करते हैं। किशोर लड़कियों के लिए कपड़े और पैटर्न का अध्ययन किया गया। 150 उत्तरदाताओं में से 138 ने मिश्रण, रेशम, शिफॉन, पॉलिएस्टर, लिनन आदि की तुलना में कपास को अपनी पहली पसंद बताया।

कपड़े का प्रकार और उसकी प्राथमिकता (पहली पसंद)

Fabric Type	N	%
Cotton	138	92 %
Blends	05	3 %
Silk	04	2 %
Chiffon	01	1 %
Polyester	01	1 %
Linen	01	1 %

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

3. सही कपड़े सीधे व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं।

कुल प्रतिक्रियाओं में से 58 प्रतिशत लोगों का मानना है कि कपड़े हमेशा व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं, जबकि 24 प्रतिशत लोगों का मानना है कि कपड़े कई बार व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। नमूने के 9 प्रतिशत लोगों के लिए कपड़े कभी–कभी व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं, जबकि 9 प्रतिशत लोगों का मानना है कि कपड़े पूरी तरह से व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित नहीं होते हैं।

व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं	58 प्रतिशत
व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं	24 प्रतिशत
कभी–कभी व्यक्तित्व से संबंधित होते हैं	09 प्रतिशत
व्यक्ति के व्यक्तित्व से संबंधित नहीं होते हैं	09 प्रतिशत

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

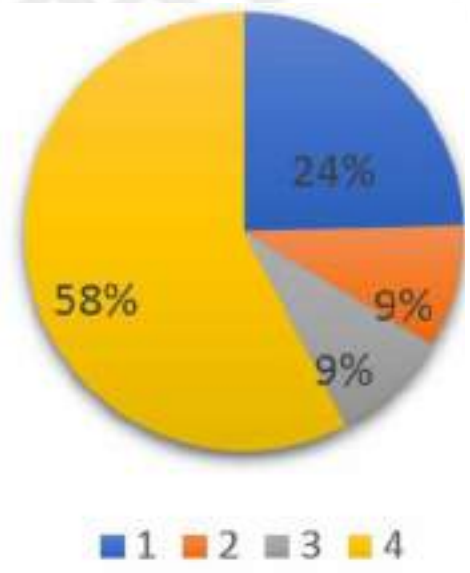

4. कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी

47 प्रतिशत लोग कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी हमेशा रखते है, 19 प्रतिशत लोग अक्सर कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी रखते है, 31 प्रतिशत लोग कभी–कभी कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी रखते है, 3 प्रतिशत लोग कपड़े के रंग और डिजाइन के बारे में जानकारी कभी नहीं रखते हैं।

1. हमेशा जानकारी रखते हैं	47 प्रतिशत
2. अक्सर जानकारी रखते हैं	19 प्रतिशत
3. कभी–कभी जानकारी रखते हैं	31 प्रतिशत
4. जानकारी कभी नहीं रखते हैं	03 प्रतिशत

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

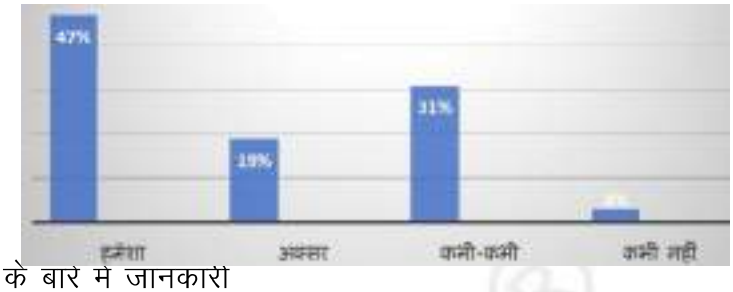

5. त्वचा के प्रकार और कपड़े की उपयुक्तता के बारे में जानकारी

76.9 प्रतिशत लोगों ने हाँ में उत्तर दिया और कहा कि उन्हें त्वचा के प्रकार और कपड़े की उपयुक्तता के बारे में जानकारी है। 23.1 प्रतिशत लोगों ने नहीं में उत्तरदिया और कहा कि उन्हें त्वचा के प्रकार और कपड़े की उपयुक्तता के बारे में जानकारी नहीं है।

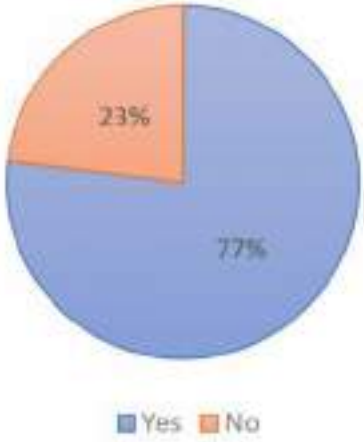

6. आपको किस तरह के परिधान अधिक पसंद हैं?

☐ रेडीमेड ☐ टेलरमेड ☐ हाउस मेड ☐ बुटीक मेड

उत्तरदाताओं से उनके पसंदीदा परिधानों के बारे में पूछा गया, तो पाया गया कि 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं अन्य तरह के परिधानों की तुलना में रेडीमेड परिधानों को ज्यादा पसंद किया हैं। 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बुटीक मेड को अपना पसंदीदा परिधान बताया, 10 प्रतिशत ने टेलरमेड को अपना पसंदीदा परिधान बताया जबकि 6 प्रतिशत ने हाउस मेड परिधानों को पसंद किया।

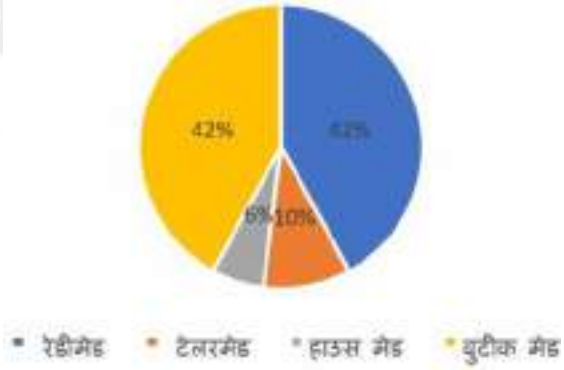

7. Branded or Non-Branded Fabric

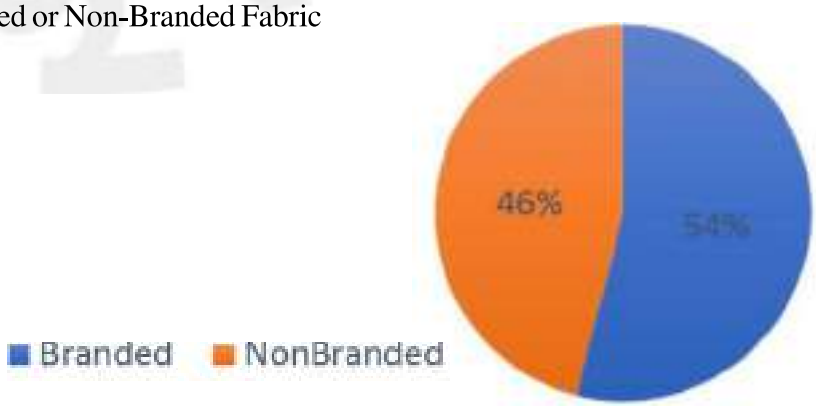

निष्कर्ष

विश्लेषण और परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि सभी किशोरियों को अपने पहनावे में गहरी रुचि होती है। वे कपड़े के रंग और डिजाइन से वाकिफ होती हैं। खास तौर पर कपड़ों में फूलों वाला पैटर्न उनकी पसंद होता है। फ्रॉक और सलवार कमीज किशोरियों की मुख्य पसंद होती है। 92 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सूती कपड़े पसंद किए, 58 प्रतिशत ने माना कि उनके पहनावे से उनका व्यक्तित्व झलकता है। जब कोई उनके पहनावे की तारीफ करता है तो वे आत्मविश्वास महसूस करती हैं। 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने रेडीमेड कपड़े और 10 प्रतिशत ने दर्जी के बने कपड़े पसंद किए। अपने कपड़ों के जरिए लड़कियां अपने व्यक्तित्व को निखारने की कोशिश करती हैं। वे आमतौर पर अपने दोस्तों और साथियों से अपने कपड़ों को अपडेट करवाती हैं। 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आरामदायक कपड़े पसंद किए। अधिकांश उत्तरदाता अपनी पसंद से अपने कपड़े चुनते हैं। किशोरियों के अनुसार जींस एक सुविधाजनक पोशाक है। वे ज्यादातर सुपरमार्केट, शॉपिंग मॉल और सामान्य खुदरा दुकानों से कपड़े खरीदती हैं। 54 प्रतिशत लड़कियों का झुकाव ब्रांडेड कपड़ों की ओर है।

रायपुर क्षेत्र की अधिकांश लड़कियों को उनकी स्कूल यूनिफॉर्म बहुत आरामदायक और मौसम के अनुकूल लगती है। सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले रंग लाल, सफेद, नीला और गुलाबी हैं। फ्लोरल प्रिंट सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। बुफैंट सिल्हूट, प्रिंसेस स्टाइल, बेल और स्लिम लाइन सिल्हूट उनकी पहली पसंद हैं। सामाजिक–आर्थिक स्थिति भी सीधे तौर पर उनकी पसंद से जुड़ी हुई है।

संदर्भ सूची

1. Arya N. (2018) Study of several aspects of fashion trends in India, *J Educ Technol Innov Res.,* 5(3):45-58. doi:10.12345/jetir.2349-5162
2. Barbi F. (2020) Socialmedia, pre-teenagers, and fashion consumption: Influence and consequence, *J Text Sci Fashion Tech,* 7(1):12-25. DOI: 10.12345/jtsft.2641-192X
3. Kaur H. (2016) Fashion and adolescent, *Int J Dev Res,* 8(9):7658-7660. doi:10.12345/ijdr.2016. 8.9.7658- 7660
4. Malik, P.; Arya, N. (2023) Evolving fashion trends and choices of Indian youth, *Res Gate,* doi:10.12345/irjmets.2582- 2508
5. Mital R. (2023) Clothing trends among Indian youth, *Int J Curr Res Technol,* 5(8):3210-3217. doi:10.12345/ijcrt.2320-2882
6. Pavithra, K.; Shashi, N. (2013) The impact of contemporary fashion on Indian youth of age group (15 to 25) years, *Ijraset J Res Appl Sci Eng Technol,* 1(1):45-52. doi:10.12345/ ijraset.2321-9653
7. Rathod R. (2022)Social (media) impact of fashion on young adolescents, *IRJMETS,* doi:10.12345/ irjmets.2582- 5208, Volume, Issue & Page Number ???
8. Sharma, P.; Pandey, S. (2019) The psychological impact of latest fashion on teenagers, *Int J Sci Res Multidiscip Stud,* 6(3):78-85. doi:10.12345/ijsrms.2454-9312
9. Singh, N. (2016) A study of buying behavior of youth towards branded fashion apparels in Mawana city, *Int J Home Sci.* 2(1):34-42. doi:10.12345/ijhs.2395-7476

****